



## चरित्र अभिनय गतिविधि(2021-22)

महान रचनाकार तथा बहुमुखी प्रतिभा के धनी **श्री रविंद्र नाथ टेंगोर** जी के 160 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक अंतर्कक्षीय गतिविधि **चरित्र अभिनय** का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में कक्षा चौथी व पांचवीं के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने इस गतिविधि के द्वारा कहानी के सभी पात्रों को जीवंत कर दिया।

कक्षा चौथी व पांचवीं के विद्यार्थियों को रविंद्र नाथ टेंगोर जी द्वारा रचित दो प्रसिद्ध कहानियों **काबुलीवाला** व **भिखारिन** को भली-भांति अवलोकन व आत्मसात करते हुए किसी एक पात्र का मंचन करना था।



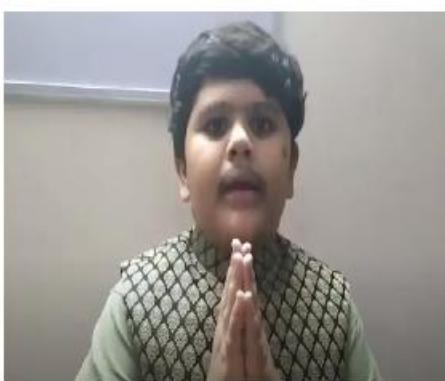
### अपने अभिनय का प्रदर्शन करते विद्यार्थी

कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने **काबुलीवाला** कहानी के सभी पात्रों जैसे काबुलीवाला, मिनी व लेखक की भूमिका को उत्साह पूर्वक, अपने हाव-भाव, संवाद तथा पात्रों के अनुरूप वेशभूषा के माध्यम से प्रस्तुत किया।



### पात्रों को जीवंत करते बच्चे

वहीं कक्षा 5 के विद्यार्थियों ने **भिखारिन** कहानी के पात्रों जैसे कि भिखारिन, मोहन, सेठ व मुनीम जी के पात्रों को बखूबी निभाया।



### अपने कौशल को पहचानते छात्र-छात्राएँ

इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों को महान रचनाकार रविंद्र नाथ टैगोर जी के हिंदी भाषा जगत में योगदान से अवगत कराना तो था ही साथ ही इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी अपने समाज, अपनी संस्कृति, अपने रीति रिवाज से भी परिचित हुए व विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने में मदद मिली। इसके साथ ही हिंदी भाषा की विधा नाटक के जीवन में महत्व को भी जाना तथा भाषा संबंधी कौशलों का विकास हुआ।

इस गतिविधि को करने के दौरान सबसे रोचकपूर्ण बात यह थी कि विद्यार्थियों ने **परिस्थिति चाहे जो भी हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए**, उक्ति का परिचय दिया। किसी- किसी विद्यार्थी ने कहानी को सारबद्ध रूप में प्रस्तुत करने के लिए एक से अधिक पात्रों का किरदार निभाया व इश्य को रसता प्रदान की तथा वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुरूप तकनीक का प्रयोग भी सीखा। ऐसी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं।

संयोजिका

मनीषा सेठी

दीपा चतुर्वेदी

मुख्य अध्यापिका

प्राथमिक

